RE. KILLINGS IN GUJARAT

श्री अहमद पटेल (गुजरात)ः मान्यवर, गुजरात के अहमदाबाद में आज स्थिति बड़ी तनावपुर्ण , गंभीर , चिंताजनक और विस्फोटक है । वहां पिछले तीन दिन में दो लोग मारे गए है और कई लोग घायल हुए हैं। कुछ बेचारे गरीब इंसान पटरी पर अपनी रोजी-रोटी कमा रहे थे. अपना पेट पालने के लिए बैठे हुए थे , चन्दा वसूली के नाम पर कुछ कट्टरपंथी संगठनों के लोग द्वारा उनपर हमला किया गया जिसमें कई लोग घायल हो गए । नतीजा यह हुआ कि कुछ और संगठनों ने वहां बंद का ऐलान किया , रॉयट्स की स्थिति बन गई पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी कई राउंड फायरिंग हुई टीअर गैंस छोड़ी गई सैल्स छोड़े गए और उसकी वजह से कई लोग घायल हुए और दो कि मौतें हुई । आज भी वहां पर स्थिति बड़ी तनावपुर्ण और विस्फोटक हैं। वहां की सरकार को इस पर जिस तरह से इनफेक्टिव मेजर्ज उठाने चाहिए थे , उसने नहीं उठाए । यहां तक कि उन गरीब इंसानो पर जो पटरी पर अपनी रोज़ी-रोटी कमा रहे थे , अपना पेट पालने के लिए बैठे थे , जिन लोगों ने उन पर हमला किया , दो दिन तक और मैं समझता हूं कि आज तक उनको अरेस्ट नहीं किया गया , उनको आईडेंटिफाई नहीं किया गया । खुली तलवार लेकर वहां लोग घूम रहे हैं और लोगों को भयभीत करने का वातावरण पैदा कर रहे हैं । यह इसलिए हो रहा है कि वहां पर जो उप चुनाव होने वाले हैं , उसके लिए एक माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है ।

मैं समझता हूं कि केन्द्र सरकार को इसको बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और वहां की सरकार को हिदायत देनी चाहिए कि वह इस पर कड़ी कार्रवाई करे , कड़े कदम उठाए लोगों को अरेस्ट करे और गृह मंत्री जी वहां की वस्तुस्थिति के बारे में सदन को अवगत कराएं और सदन में इस बारे में एक बयान दें । ...(**व्यवधान**)...

श्री राजू परमार (गुजरात)ः सभपति जी ...(**व्यवधान**)...

श्री अनन्तराय देवशंकर दवेः सर, यह जो हुआ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बस हो गया । हो गया।

श्री अहमद पटेल : शुरूआत कहां से हुई ? शुरूआत पटरी से हुई । लोगों को मारा गया उन पर हमला किया गया उसके बाद यह स्थिति पैदा हुई । ...(**व्यवधान**)...उन पर क्यों पथराव हुआ? यह क्यों हूआ? ...(**व्यवधान**)... क्यों शुरूआत हुई , किसलिए हुई? ...(**व्यवधान**)... शुरूआत किस बात से हुई ? ...(**व्यवधान**)... इसके बारे में गृह मंत्री जी को सदन में एक बयान देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... जो भी जिम्मेदार हैं , चाहे कोई भी संगठन हो , चाहे कोई भी हो , उसके खिलाफ कर्रवाई होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)... गृह मंत्री को इस बारे में सदन में एक बयान देना चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री राजू परमारः अभी तक स्टेट गवर्नमेंट ने एक भी आदमी को पकड़ा नहीं है। ...(**व्यवधान**)... बजरंग दल के लोगों का नाम लिया गया है लेकिन ...(**व्यवधान**)...

श्री अहमद पटेलः अभी तक कोई अरेस्ट नहीं हुआ है , अभी तक एक भी आदमी को पकड़ा नहीं गया है । जो भी जिम्मेदार हैं, उसके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए चाहे वह कोई भी हो चाहे वह किसी भी दल का हो । मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं लेकिन यह जो माहौल खराब किया जा रहा है। कम से कम उसके बारे में सोचना चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसू(पश्चिमी बंगाल)ः सर, कम से कम गृह मंत्री का बयान तो आना चाहिए ।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Janeshwar Mishra.

SHRI BALBIR K. PUNJ (Uttar Pradesh): Mr. Chairman, Sir, the House has to be run under certain rules. And I find friends from the other side breaking all the rules. They have no respect to the Chair and they have no discipline.

श्री राजू परमार: अभी तक स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से एक भी आदमी को पकड़ा नहीं गया है। हम चाहते हैं कि कम से कम गृह मंत्री इस पर बयान तो दें ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसुः सर, कम से कम गृह मंत्री जी का बयान तो आना चाहिए ...(**व्यवधान**)...

श्री राजु परमार : यह इतना सीरियस मामला है सरकार कम से कम बोले तो हाऊस के सामने कि वह बयान देगी । इस घटना के ऊपर सरकार को बयान देना चाहिए...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I have not called you.

श्री नीलोत्पल बसुः सर, पूछ लीजिए सरकार बयान देना चाहती है या नहीं ?

MR. CHAIRMAN: I have not called you. Please sit down.

श्री राजू परमार : सरकार की तरफ से कुछ जवाब आना चाहिए ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The Government cannot respond immediately. They have heard it. They will respond. Mr. Janeshwar Mishra.

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नहीं आप कुछ मत बोलिए ।

श्री नरेन्द्र मोहनः ज़ीरो-ऑवर में इन्हें कहने को मिला , मैं भी कुछ कहना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री अहमद पटेलः हमने चेयरमैन साहब की अनुमति से यह मामला उठाया है ।

श्री सभापति : आपको भी परमीशन मिलेगी , उनको भी मिलेगा , आपको भी कहने का हक मिलेगा ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेन्द्र मोहनः मान्यवर, मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप फिर बोले जा रहे हैं । दिक्कत यह है कि आप इतने विद्वान हैं लेकिन आप आपनी विद्वता का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

श्री जनेश्वर मिश्र (**उत्तर प्रदेश**) **:** मान्यवर, इस समय संसद की कार्रवाही चल रही है , हम कोई भी ऐसी विवाद की बात नहीं बोलेंगे जिससे भाई लोगों को बुरा लगे । मान्यवर, इस समय संसद की कार्यवाही चल रही है। महोदय, किसी गंभीर मसले पर जिस पर हम यहां कई बार चर्चा कर चुके हैं , कोई भी मंत्री या प्रधान मंत्री बाहर बयान दें और सदन को विश्वास में न ले यह सही नहीं है । हम लोग क्या करें कहां बात करें ? जनता के बीच में हमको भी बोलना पड़ता है। महोदय, प्रधान मंत्री जी ने एक वक्तव्य दिया है कि मार्च के महीने तक ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : देखिए, अगर आपको इस विषय पर कुछ कहना है तो आप स्पेशल मैंशन के लिए लिखकर दे दीजिए , हम आपको इज़ाजत दे देंगे ।

श्री जनेश्वर मिश्रः सर आप इसको सुन लीजिए ।

श्री सभापति : यह मामला आप इस वक्त नहीं उठाएंगे, आप स्पेशल मैंशन के लिए लिखकर दे दीजिए यह इतना अर्जेंट नहीं है । आप स्पेशन मैशन के लिए लिखकर दे दीजिए । आपको इज़ाजत दे दी जाएगी । Now, Mr. Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Sir, I have a point of order. Kindly allow meपिछली बार जब इन्होंने अपना स्पेशल मैंशन उठाया था तो उधर से आपत्ति की गई थी कि it is *SUB judice,* not maintainable. Today, I humbly request you to kindly give a ruling on whether any matter referable before a Commission of Inquiry is *sub judice* or not. There are traditions of this House. There are judgments of the Supreme Court. I request you very humbly to kindly decide this matter once and for all - whether any such matter can be raised or not.

SHRI NILOTPAL BASU: The point of order has to be on the business being transacted.

MR. CHAIRMAN: You please sit down ....*(Interruptions)*..... I have permitted Mr. Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'. Somebody raised the issue of it being *sub judice* from there. When the Chairman has given the ruling that he is allowed, then, he has taken everything into consideration. So, one has not to go into the details of it. I have called Mr. Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: I bow down, Sir.

SPECIAL MENTIONS

Trifling with National Security by means of so-called Investigative Journalism

श्री राजीव रंजन सिंह ललन (बिहार): महोदय,दिनांक 22 अगस्त 2001 के इंडियन एक्सप्रेस अखबार में प्रथम पृष्ट पर विस्तार से यह खबर छपी है कि किस प्रकार तहलका की कहानी के माध्यम से खोजी पत्रकारिता का दावा करने वाले तथाकथित पत्रकारों ने महिलाओं का इस्तेमाल कर कुछ सेना के अधिकारियों के साथ उनकी आपत्तिजनक अवस्था में तस्वीरें खींचकर उन्हें ब्लैकमेल कर राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ घृणित खिलवाड़ किया । ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except what Mr. Rajiv Ranjan Singh 'Lalan' is saying...*(Interruptions)..*

श्री राजीव रंजन सिंह ललन : सरकार को अस्थिर करने एंव देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की तथा सेना के मनोबल को गिराने का प्रयास किया जिसे ऊंचा रखने के लिए तत्कालीन रक्षा मंत्री को त्याग पत्र देना पड़ा।...(**व्यवधान**)...